BSNL EMPLOYEES UNION

Recognised Union in BSNL
(Registered Under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No.4896)
CHQ:Dada Ghosh Bhawan, Opp. Shadipur Bus Depot., New Delhi – 110008
Email: chqbsnleu@sify.com, website: bsnleuchq.com

P. Abhimanyu
General Secretary

Phone: (O) 011-25705385
Fax : 011- 25894862

बीएसएनएलईयू/102 (सर्कुलर सं. 08) **27 सतंबर 2011**

सेवा में,
सभी सर्किल सचिव और जिला सचिव

प्रिय साथी,

जयपुर सी ई सी

बी एस एन एल एंप्लॉइज यूनियन की 3 दिन की केंद्रीय कार्यकारिणी कमेटी की बैठक 16 से 18 सितवर 2011 को जयपुर में हुई। सी ई सी का स्थल था : आर टी टी सी ऑडीटोरियम, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर। का. मोतीराम चौधरी, सर्किल सचिव, बी एस एन एल ई यू के नेतृत्व में स्वागत समिति ने सी ई सी के लिए शानदार व्यवस्था की थी।

उद्‌घाटन समारोह

सी ई सी झंडा फहराए जाने के साथ शुरू हुई। राष्ट्र ध्वज का. वी ए एन नबूदिरी अखिल भारतीय अध्यक्ष ने और यूनियन ध्वज का. पी अभिमन्यु जनरल सेक्रेट्री ने फहराया। सी ई सी सदस्यों ने शहीदवेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की। का. रविंद्र शुक्ला जनरल सेक्रेट्री, सी आई टी यू, राजस्थान ने सी ई सी का उद्‌घाटन किया। का. शुक्ला ने अपने भाषण में वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का विस्तृत विवरण पेश किया और यू पी ए - 2 सरकार की जनविरोधी नीतियों पर गहरा प्रहार किया। उद्‌घाटन समारोह में का. जे संपत राव, सी एस, आंध्र प्रदेश जो 31 अगस्त 2011 को सेवानिवृत्त हो गए उन्हें बधाई दी गई। सी एच क्यू द्वारा उन्हें शाल और स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। सी ई सी के उद्‌घाटन के तुरंत बाद का. पी अभिमन्यु जनरल सेक्रेट्री ने गतिविधियों पर रिपोर्ट पेश की। उन्होंने चेन्नै में हुई पिछली सी ई सी मीटिंग के निर्णयों को लागू किए जाने का विवरण पेश किया। इसके अलावा उन्होंने मीटिंग के समक्ष महत्वपूर्ण मुद्दे पेश किए जिन पर निर्णय लिए जाने थे। जनरल सेक्रेट्री द्वारा रिपोर्ट पेश किए जाने के तुरंत बाद सी ई सी सदस्यों द्वारा चर्चा आरंभ हुई।

खुला सत्र

सी ई सी के पहले दिन दोपहर बाद खुला सत्र हुआ जिसके लिए राजस्थान सर्किल यूनियन के द्वारा अच्छी लामबंदी की गई थी। खुले सत्र को संबोधित करने वालों में थे : का. रविंदर शुक्ला, जनरल सेक्रेट्री सीटू, राजस्थान; श्री एच पी मीणा, सीनियर जी एम (वित्त), राजस्थान सर्किल; का. वी ए एन नंबूदिरी, अध्यक्ष; का. पी अभिमन्यु जनरल सेक्रेट्री; का. पी अशोका बाबू, डिप्टी जनरल सेक्रेट्री; का. अरुण निगम, सर्किल अध्यक्ष; और का. मोती राम चौधरी, सर्किल सचिव। खुले सत्र के बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी सभी सी ई सी सदस्यों ने प्रशंसा की।

सी ई सी मीटिंग के दूसरे दिन 17 सितंबर 2011 की सुबह केजुअल और ठेका मजदूरों के मुद्दों पर सत्र आयोजित किया गया। का. स्वदेश देव राय, सचिव, सीटू ने इस विषय पर भाषण दिया और इन मजदूरों से जुड़ी समस्याओं के बारे में विस्तार से रोशनी डाली। उन्होंने दूसरे पी एस यूज में केजुअल और ठेका मजदूरों को संगठित करने के अनुभवों के बारे में बताया। कई सदस्यो ने प्रश्न किए और का. देव रॉय ने उनका उत्तर दिया। का. देव रॉय ने सी ई सी सदस्यों को इस समस्या को समग्रता में समझने में सहायता की। इस सत्र के बाद सी ई सी सदस्यों ने एजेंडा आइटमों पर चर्चा जारी रखी। विस्तृत चर्चा के बाद जयपुर सी ई सी ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जो निम्नलिखित हैं :

(1) सी ई सी ने निर्णय लिया कि निम्नलिखित मुद्दों पर नैगमिक कार्यालय, सर्किल और जिला स्तर पर 27-09-2011 से तीन दिन की भूख हड़ताल कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

- **(क)** वी आर एस के विरोध में
- **(ख)** पी एल आई की मांग करते हुए
- **(ग)** चिकित्सा भत्ते, एल टी सी और छुट्टी के नकद भुगतान की बहाली की मांग करते हुए।
- **(घ)** एन ई पी पी में संशोधनों के लिए यूनियन की मांगों को स्वीकार करना।
- **(ङ)** एन ई 12 वेतनमान को तुरंत लागू करना।

साथ ही सी ई सी ने सी एच क्यू को निर्देश दिया कि वह सभी यूनियनों/एसोसिएशनों द्वारा एक संयुक्त कार्रवाई के लिए प्रयत्न करें।

(2) सी ई सी ने सर्किल और जिला यूनियनों को उपभोक्ता रूचि वर्ष को अधिक जोरदार तरीके से लागू करने का निर्देश दिया।

(3) सी ई सी ने यह निर्णय लिया है कि वह 07-09-2011 को दिल्ली में हुई मजदूरों की राष्ट्रीय कन्वेंशन के 08-11-2011 को सत्याग्रह/जेल भरो/सामूहिक धरने आदि को लागू करने के आह्वान में भाग लेगी।

(4) सी ई सी ने निर्णय लिया है कि हमारी यूनियनें पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण विधेयक (पी एफ आर डी ए) के खिलाफ जोरदार हस्ताक्षर अभियान चलाए और **25-11-2011 को संसद मार्च** में भाग ले।

(5) यह निर्णय लिया गया कि वर्ल्ड फैडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यू एफ टी यू) के **03-10-2011 को अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस** आयोजित करने के आह्वान को बहुत ही जोरदार तरीके से लागू किया जाए। (सी एच क्यू इस विषय पर एक अलग सर्कुलर भेजेगा।)

(6) सी ई सी ने सी एच क्यू को यह निर्देश दिया है कि वह बी एस एन एल में अनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर एक नए मान्यता नियम को लागू करने के लिए प्रयत्न करे। सी ई सी ने प्रस्तावित नियम के दूसरे विस्तृत ब्योरों को तय करने के लिए केंद्रीय सचिव मंडल को अधिकृत किया है।

(7) जहां तक सी एच क्यू के लिए एक बिल्डिंग खरीदने का प्रश्न है सी ई सी ने निर्णय लिया है कि उसे शीघ्रता के साथ किया जाए। सी एच क्यू ने प्रत्येक सर्किल यूनियन के लिए डोनेशन का अतिरिक्त कोटा भी तय किया है। इसके अलावा सी ई सी ने इस उद्देश्य के लिए एक सात सदस्यीय ट्रस्ट गठित किया है और उसका नाम ''के जी बोस मेमोरियल ट्रस्ट'' होगा।

(8) बी एस एन एल केजुअल एंड कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन का उन सर्किलों में तुरंत गठित किया जाना चाहिए जहां उसका गठन अभी तक नहीं हुआ है। उन सर्किलो की संबंधित सर्किल यूनियनों को तुरंत यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

(9) आंध्र प्रदेश सर्किल यूनियन ने अगली सी ई सी की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

(10) सी ई सी ने निर्णय लिया कि अगली अखिल भारतीय कान्फ्रेंस पंजाब में, सितंबर 2012 में होगी।

प्रस्ताव :

जयपुर सी ई सी ने निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए :

(1) बी एस एन एल को एक लाभ कमाने वाला पी एस यू बनाना

(2) बी एस एन एल में सुविधाओं की वापसी और प्रस्तावित वी आर एस के खिलाफ

(3) बी एस एन एल कर्मचारियों के लिए बोनस (पी एल आई) की मांग करना

(4) अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस पर

(5) पी एफ आर डी ए (पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण) विधेयक पर,

(6) केजुअल और ठेका मजदूर पर

(7) पश्चिम बंगाल में वामपंथी ट्रेड यूनियनों, किसानों और आम जनता पर हमले के खिलाफ

(8) भ्रष्टाचार पर

(9) टेलीकॉम फैक्ट्रियों के उपयोग पर

(10) जयपुर सी ई सी की स्वागत समिति को धन्यवाद देते हुए

''अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस मनाओ''--वर्ल्ड फैडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस का आह्वान

सोवियत संघ के विघटन के बाद साम्राज्यवाद और उसकी एजेंसियों, आई एम एफ, विश्व बैंक और डब्ल्यू टी ओ ने विश्व पर नव उदारवादी आर्थिक नीतियां लादी हैं। इन नीतियों ने विश्वभर मे मेहनतकश जनता पर अकथित मुसीबतें डाली हैं। मजदूरों के कठिन संघर्षों से अर्जित किए गए अधिकारों को कुचला जा रहा है। ट्रेड यूनियन बनाने के अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार से उन्हें वंचित किया जा रहा है। नियमित मजदूरों की जगह ठेका मजदूर रखे जा रहे हैं। इन मजदूरों का निर्मम शोषण किया जा रहा है। ट्रेड यूनियन नेताओं और कार्यकर्ताओ का कत्ल किया जा रहा है और अंग-भंग किया जा रहा है। किंतु मजदूर वर्ग विश्वभर में पूंजीवादी शोषण के खिलाफ बहादुरी के साथ संघर्ष कर रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में वर्ल्ड फैडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यू एफ टी यू) की 16वीं कांग्रेस ग्रीस की राजधानी एथेंस में हुई। सोवियत संघ के पतन के बाद पूंजीपति वर्ग ने सोचा था कि डब्ल्यू एफ टी यू का स्वाभाविक रूप से खात्मा हो जाएगा। किंतु हवाना में अपनी पिछली कांग्रेस के बाद डब्ल्यू एफ टी यू सांगठनिक और वैचारिक, दोनों तरह से मजबूत होकर उभरी है। आज डब्ल्यू एफ टी यू के 120 देशों मे और सभी पांचों महाद्वीपों में संबद्ध संगठन है। वह एक जीवंत संगठन है और पूंजीवादी शोषण के खिलाफ मजदूर वर्ग के संघर्षों का नेतृत्व कर रहा है।

डब्ल्यू एफ टी यू की 16वीं कांग्रेस ने 3 अक्टूबर 2011 को अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है। अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस पर हाइलाइट किए जाने वाले मुद्दे निम्नलिखित हैं :

(1) सभी के लिए सरकारी फंड से सामाजिक सुरक्षा
(2) ट्रेड यूनियन का अधिकार और सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार
(3) उत्तम आजीविका के लिए बेहतर वेतन
(4) काम के घंटे-7 घंटे प्रति दिन, 35 घंटे प्रति सप्ताह और 5 दिन प्रति सप्ताह
(5) फिलिस्तीन की जनता के साथ एकजुटता
(6) 5 क्यूबाइयों की रिहाई जो झूठे आरोपों में अमरीका की जेल में बंद हैं।

डब्ल्यू एफ टी यू ने यह निर्णय भी लिया है कि अप्रैल 2011 में एथेंस में हुई 16वीं वर्ल्ड ट्रेड यूनियन कांग्रेस की शानदार सफलता को "कार्रवाई दिवस" कार्यक्रम के दौरान उचित तरीके से हाइलाइट किया जाना चाहिए।

जयपुर में हुई सी ई सी मीटिंग में सर्किल, जिला और ब्रांच यूनियनों से "अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस" को जोरदार तरीके से मनाने का आह्वान किया गया है। जहां पर ट्रेड यूनियनों द्वारा कार्यक्रम संयुक्त रूप से मनाया जाएगा हमारे सदस्य उसमें शामिल हो सकते हैं। दूसरी जगहों पर हमारी सर्किल/जिला/ब्रांच यूनियनें विशेष जनरल बॉडी मीटिंगे/गेट मीटिंगे आयोजित करेंगी। ऐसी मीटिंगों में उपर्युक्त मुद्दों को असरदार तरीके से समझाया जाना चाहिए।

10 अक्टूबर 2011 को एक दिवसीय हड़ताल

जैसा कि पहले ही सूचित किया गया है 21 सितंबर 2011 को हुई संयुक्त कार्रवाई समिति ने निम्नलिखित मांगों को लेकर 10 अक्टूबर 2011 को एक दिवसीय हड़ताल आयोजित करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया है :

मांगें :

(1) कोई वी आर एस नहीं
(2) बोनस (पी एल आई) का तुरंत भुगतान
(3) चिकित्सा भत्ते, छुट्टी के नकद भुगतान और एल टी सी की बहाली
(4) आई टी एस समायोजन की प्रक्रिया को फौरन संपन्न करना
(5) 78.2 प्रतिशत आई डी ए निर्धारण
(6) उपकरणों जैसे जी एस एम, बी बी मोडेम, केबिल, ट्रांस एस एम एस, एम एल एल एन आदि की फौरन खरीद और आपूर्ति तथा महत्वपूर्ण बिजनेस प्रोजेक्टों जैसे ई आर पी, एन जी एन और ट्रांस्मीशन एन एम एस को लागू करना।
(7) सरकार की नीति से जुड़े मुद्दे :
    (क) नीतिगत वायदों के अनुरूप घाटा करने वाली ग्रामीण सेवाओं के लिए क्षतिपूर्ति।
    (ख) अधिकतम वेतनमान की बजाय वास्तविक मूल वेतन पर केवल डॉट के लिए पेंशन अंशदान।

(ग) नॉन-स्टैंडर्ड बी डब्ल्यू ए स्पेक्ट्रम बैंड के लिए अदा किए गए 8313 करोड़ रुपये को रिफंड किया जाए।
    (घ) 3 जी स्पेक्ट्रम के लिए पसंद के सर्किल चुनने में लचीलापन प्रदान करना।
    (ङ) ऐसेस डेफिसिट चार्जेज (ए डी सी) की मात्रा पर्याप्त और उचित व्यवस्था के माध्यम से तय की जाए और बी एस एन एल को अदा की जाए।
    (च) बी एस एन एल को लाइसेंस फी की प्रतिपूर्ति जैसा कि नैगमीकरण के समय आश्वासन दिया गया था।

(छ) डॉट द्वारा बी एस एन एल से एकत्रित किए गए 7500 करोड़ रुपये के ''नोशनल लोन'' को ब्याज समेत रिफंड किया जाए।

(ज) सभी टेलीकॉम सलाहकार समितियों को खत्म किया जाए।

अतः सर्किल/जिला/ब्रांच यूनियनो से अनुरोध है कि वे जे ए सी के दूसरे घटकों के साथ समन्वय स्थापित करे और हड़ताल को जोरदार तरीके से आयोजित करें। मॉडल पोस्टर पहले ही सी एच क्यू के वेबसाइट पर रखा गया है। इसे क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करके लगाया जाए। हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करे।

बी एस एन एल ई यू जिंदाबाद
इंकलाब जिंदाबाद

सधन्यवाद

आपका साथी

(पी. अभिमन्यू)
जनरल सेक्रेटरी